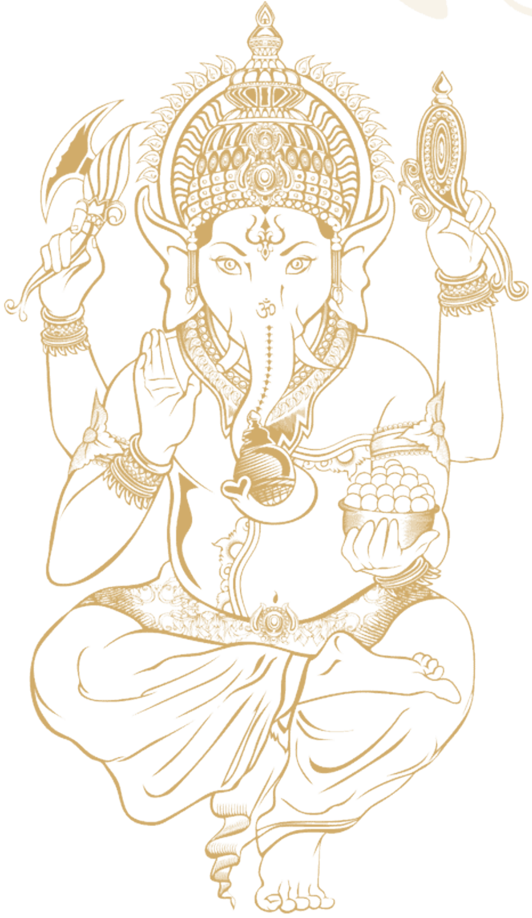

19 Jan 2026

01:55 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121122202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/01/2026**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**13:55:00 घंटे**
इष्ट	18:38:51 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:15:16 घंटे
वेलान्तर	-00:10:39 घंटे
साम्पातिक काल	22:10:15 घंटे
सूर्योदय	06:27:27 घंटे
सूर्यास्त	17:13:41 घंटे
दिनमान	10:46:14 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:02:31 मकर
लग्न के अंश	21:05:40 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वज्र
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	21:05:40	355:30:42	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	---
सूर्य			मक	05:02:31	01:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			मक	11:04:23	12:35:45	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	02:38:08	00:46:39	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	उच्च राशि
बुध		अ	मक	03:32:21	01:39:30	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	24:41:04	00:07:51	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	08:03:59	01:15:26	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	03:15:34	00:05:03	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:14:03	00:05:18	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:14:03	00:05:18	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:20:41	00:00:49	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:36:07	00:01:19	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:04:10	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	06:16:37	--	धनिष्ठा	--	23	शनि	मंगल	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:22

लग्न-चलित

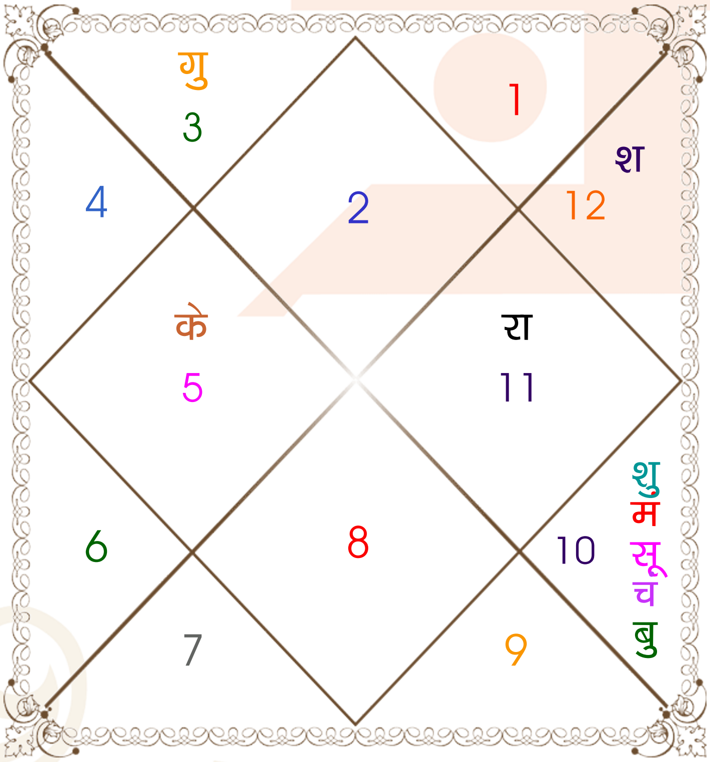

चन्द्र कुंडली

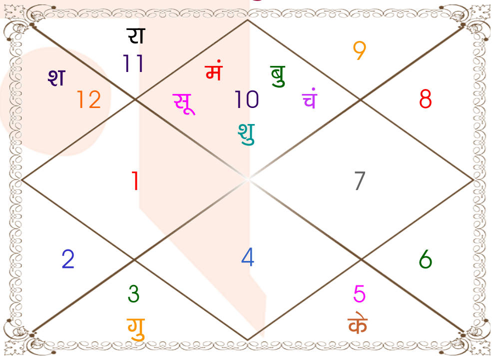

नवमांश कुंडली

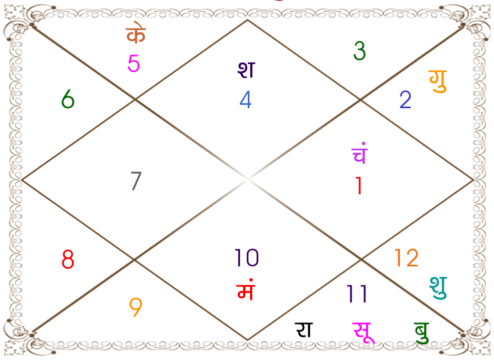

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 2 मास 10 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/01/2026		01/04/2035		31/03/2042		31/03/2060		31/03/2076	
01/04/2035		31/03/2042		31/03/2060		31/03/2076		01/04/2095	
चंद्र	30/01/2026	मंगल	28/08/2035	राहु	12/12/2044	गुरु	19/05/2062	शनि	04/04/2079
मंगल	31/08/2026	राहु	14/09/2036	गुरु	07/05/2047	शनि	29/11/2064	बुध	12/12/2081
राहु	29/02/2028	गुरु	21/08/2037	शनि	13/03/2050	बुध	07/03/2067	केतु	21/01/2083
गुरु	30/06/2029	शनि	30/09/2038	बुध	30/09/2052	केतु	11/02/2068	शुक्र	22/03/2086
शनि	30/01/2031	बुध	27/09/2039	केतु	18/10/2053	शुक्र	12/10/2070	सूर्य	04/03/2087
बुध	30/06/2032	केतु	23/02/2040	शुक्र	18/10/2056	सूर्य	31/07/2071	चंद्र	03/10/2088
केतु	29/01/2033	शुक्र	24/04/2041	सूर्य	12/09/2057	चंद्र	29/11/2072	मंगल	11/11/2089
शुक्र	30/09/2034	सूर्य	30/08/2041	चंद्र	13/03/2059	मंगल	05/11/2073	राहु	17/09/2092
सूर्य	01/04/2035	चंद्र	31/03/2042	मंगल	31/03/2060	राहु	31/03/2076	गुरु	01/04/2095

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
01/04/2095		01/04/2112		02/04/2119		02/04/2139		01/04/2145	
01/04/2112		02/04/2119		02/04/2139		01/04/2145		00/00/0000	
बुध	27/08/2097	केतु	28/08/2112	शुक्र	01/08/2122	सूर्य	20/07/2139	चंद्र	20/01/2146
केतु	24/08/2098	शुक्र	28/10/2113	सूर्य	01/08/2123	चंद्र	19/01/2140		00/00/0000
शुक्र	25/06/2101	सूर्य	05/03/2114	चंद्र	01/04/2125	मंगल	26/05/2140		00/00/0000
सूर्य	02/05/2102	चंद्र	04/10/2114	मंगल	01/06/2126	राहु	19/04/2141		00/00/0000
चंद्र	01/10/2103	मंगल	02/03/2115	राहु	01/06/2129	गुरु	06/02/2142		00/00/0000
मंगल	27/09/2104	राहु	20/03/2116	गुरु	31/01/2132	शनि	19/01/2143		00/00/0000
राहु	17/04/2107	गुरु	24/02/2117	शनि	02/04/2135	बुध	25/11/2143		00/00/0000
गुरु	23/07/2109	शनि	04/04/2118	बुध	31/01/2138	केतु	01/04/2144		00/00/0000
शनि	01/04/2112	बुध	02/04/2119	केतु	02/04/2139	शुक्र	01/04/2145		00/00/0000

❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 2 मा 8 दि होता है।

❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृष लग्न के उदित काल, कर्क नवमांश एवं मकर द्रेष्काण में हुआ था। आप आश्चर्यजनक उत्साह, आत्मिक शक्ति से युक्त है। आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति में शिला के समान स्थिर रह कर, सांसारिक सुख एवं भोग विलास युक्त जीवन प्राप्त करेंगे।

आप सदैव उद्देश्य की तलाश में अपने लक्ष्य की ओर निश्चित रूप से बढ़ते रहेंगे। आप अपना महत्वपूर्ण कीर्ति स्तंभ निसंदेह रूप से स्थापित करेंगे, क्योंकि आप अपनी योजना के द्वारा ही अपनी कार्य व्यवस्था को उपयुक्त कर लेंगे। आप कभी भी छलांग नही लगाते। आप समय की प्रतिक्षा करते हैं। समय आने पर पूर्वनिर्धारित योजना के अनुरुप कार्य करते हैं। जब आप अपना लक्ष्य निर्धारित कर कार्यारंभ करते हैं तो निश्चित रूप से सभी विषयों की ओर से विमुख होकर, अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील रहते हैं। आप अपने अपरिवर्तित लक्ष्य के प्रति आश्वस्त होकर सफलता पूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। क्योंकि आप दिवा स्वप्न द्रष्टा नही हैं। बल्कि कठिन श्रम करके उत्साहपूर्वक उपलब्धि प्राप्त करते हैं। परिणाम रुवरुप आप यथेष्ठ रुप से भौतिकी लाभ बिना किसी भी प्रकार की हानि अथवा बिना अपव्यय किए ही प्राप्त कर लेंगे। आप अपनी धन लोलुप्ता के प्रभाव से तथा कंजूसी से अपने धन संपत्ति में वृद्धि प्राप्त करेंगे।

आप प्रेम संबंधित क्षेत्र में सांसारिक सुख भोग एव विलासिता संबंधी आनंद प्राप्ति हेतु धन व्यय करेंगे। आप यदि समय-समय पर आलस्य करना त्याग दें तो सहजता पूर्वक आनंदमय जीवन की स्थापना कर सकते हैं। अर्थात अपना जीवन आनंदमय बना सकते हैं।

आप में इस बात का अभाव है कि आप अपनी धन प्राप्ति संबंधित महत्वकांक्षा को पूरा करने में असफल हो जाते हैं।

आप शारीरिक रूप से सामान्य कद के गोल-मटोल, मांसल अंगों से युक्त, देहधारी प्राणी हैं। प्रमुख रूप से आपका मस्तक बड़ा एवं आंखे आकर्षक हैं।

आप अपने व्यवसाय के प्रति अभिरुचि युक्त, निष्ठावान होकर धनोपार्जन हेतु शक्ति संपन्नता से व्यस्त, बिना किसी भी व्यवधान के तथा बिना भ्रमित हुए, निर्विवाद होकर सफलता प्राप्ति हेतु व्यस्त रहेंगे।

परंतु यदि आपका कोई शत्रु गलत तरीके से आपके कार्य में बाधा उत्पन्न करता है, तो आप पीछे उलटकर उस पर सांढ़ की तरह क्रोधित होकर कठिन प्रहार करेंगे।

आप शांतिपूर्वक अपने पारिवारिक स्नेहिल जीवन को आरामदायक एवं प्रिय बनाकर रहेंगे।

आप अपने परिवार को अच्छि प्रकार स्थापित करने के मार्ग पर अग्रसर होकर अपने परिवार एवं अपने दांपत्य जीवन के वातावरण को सुखद बनाने के लिए सभी व्यवस्था करेंगे।

आपका स्वभाव वृषभ राशीय है। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं शरीर हृष्ट-पुष्ट है। परंतु आप स्वभाव से अति संवेदनशील, तथा किसी भी प्रकार के दर्द के प्रति कठिनाई अनुभव करने वाले हैं। यदि आप शारीरिक रूप से किसी भी प्रकार की असमर्थता अनुभव किया तो किसी तरह अंगहीन हो सकते हैं। संप्रति आपकी क्षमता ऐसी है कि आप सामान्य और सीमित रोगों का सामना कर सकते हैं। परंतु आप में शीघ्रता पूर्वक स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति नहीं है। फलस्वरूप आपको पूर्णरूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में विलंब हो सकता है। आप किसी भी प्रकार से सुरक्षित कार्य संपादन में विश्वास रखने वाली प्राणी हैं तथा ऐसा ही करती हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अनुकूल रंग गुलाबी सफेद एवं हरा रंग उत्तमता का प्रतीक है। आपके लिए लाल रंग अच्छा नहीं है। अतः आप लाल रंग को अपघात सूचक समझें।